Topic 1 :– भारत और चीन व्यापार संबंध

चर्चा में क्यों :– हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के आधार पर स्पष्ट हुआ है कि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है

आंकड़ों से संबंधित यह रिपोर्ट आर्थिक थिंक टैंक 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (GTRI) के के द्वारा जारी की गई है जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और चीन के बीच में द्विपक्षीय वाणिज्य व्यापार 118.4 अरब डॉलर के का रहा , l जिस कारण चीन अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार के रूप में उभर रहा है।

इसी अवधि के द्वारान (वित्त वर्ष 2023-24) भारत और अमेरिका के मध्य द्विपक्षीय व्यापार 118.3 बिलियन डॉलर रहा। जिस हिसाब से चीन अमेरिका से आगे निकल गया है

अमेरिका विगत दो वर्षों से वित्त वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश था।

रिपोर्ट में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023 24 में भारत का निर्यात चीन की ओर बड़ा है इस निर्यात में 8.7% की बढ़ोतरी हुई अब भारत की तरफ से चीन की तरफ होने वाला निर्यात बढ़कर 16.67 अरब डालर हो गया है।

किन क्षेत्रों में बढ़ा भारत का निर्यात :– हथकरघा, सूती धागा, कपड़े, मसाले, फल और सब्जियां,लौह अयस्क, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसी वस्तुएं शामिल हैं।

इसी अवधि में चीन से भारत के लिए किये जाने वाले निर्यात में भी 3.24% की बढ़त देखने को मिली । अब चीन से भारत की ओर होने वाला निर्यात 101.7 अरब डॉलर हो गया।

Topic 2:– इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX)

चर्चा में क्यों :– हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज का पहला ट्रेडिंग-सह-क्लियरिंग सदस्य बन गया है।

बुलियन :– बुलियन उच्च शुद्धता एवं गुणवत्ता वाले सोना तथा चांदी को कहा जाता है।

बुलियन को अधिकतर बार, सिल्लियां (इंगोट्स) या सिक्कों के रूप में जमा किया जाता है।

IIBX से संबंधित तथ्य:–

IIBX को 2022 में GIFI इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (IFSC) के अंतर्गत गुजरात के गांधीनगर में स्थापित किया गया था।

इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज IFSC प्राधिकरण (IFSCA) के अंतर्गत IFSC प्राधिकरण की देख-रेख में कार्य करता है।

IIBX के प्रमोटर्स में भारत के अग्रणी मार्केट इंफ्रास्ट्रक्टर संस्थान शामिल है जैसे की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया आदि ।

इसकी स्थापना लाभः यह देश में बहुमूल्य धातुओं (बुलियन) के आयात का माध्यम होता है।

Result Mitra

यह विश्व स्तरीय बुलियन एक्सचेंज इकोसिस्टम उपलब्ध कराता है जिसके तहत IFSC में बुलियन व्यापार, बुलियन वित्तीय उत्पादों में निवेश और वॉल्टिंग सुविधा प्राप्त हो सके ।

बुलियन मार्केट क्या होता है :- यह बह मार्केट होता है जहाँ व्यापारी सोने और चाँदी जैसी बहुमूल्य धातुओं का लेन-देन करते हैं।

Topic 3:– "मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (MOW)-एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर"

चर्चा में क्यों :- हाल ही में यूनेस्को के द्वारा "मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (MOW)-एशिया-पैसिफिक रीजनल" नाम से एक रजिस्टर जारी किया गया जिसमे भारत की तीन साहित्यिक कृतियों को शामिल किया गया

इन कृतियों को इस सूची में शामिल करने का निर्णय मंगोलिया के उलानबाटर में हुई मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कमेटी फॉर एशिया एंड द पैसिफिक (MOWCAP) की 10वीं बैठक के द्वारन लिया गया।

"यूनेस्को द्वारा इस रजिस्टर में कुल 20 साहित्यिक कृतियों को शामिल की गई हैं। इनमें से तीन भारतीय साहित्यिक कृतियां (पांडुलिपियां) है - रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयालोक-लोकन।

रामचरितमानसः

> इसकी रचना गोस्वामी तुलसीदास ने 16वीं शताब्दी में की । यह एक महाकाव्य है जिसे अवधी भाषा में लिखा गया, इसमें कुल सात कांड हैं।

Resonance

इन सात काण्डों के नाम हैं - बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, लंकाकाण्ड (युद्धकाण्ड) और उत्तरकाण्ड।

रामचरितमानसः में राम कथा से जुड़ी हुई घटनाओं का काव्यात्मक रूप से लेखन किया गया ।

> पंचतंत्रः

पंचतंत्र के कुल पांच भाग हैं तथा इस पुस्तक की विशेषता यह है कि इसमें कहानी के भीतर भी कहानी दी गई है।

यह एक विख्यात ग्रंथ है। इसके लेखक आचार्य विष्णु शर्मा है इनके द्वारा इसकी रचना संस्कृत में की गई ।

संस्कृत में रचित इस किताब में जीवंत भारतीय दंतकथाओं के सबसे पुरानी कहानियों को संग्रहित किया गया है।

सहृदयालोक-लोकन:

यह रचना भारतीय काव्यशास्त्र से संबंधित एक कालजयी रचना है

इसका लेखन कार्य आचार्य आनंदवर्धन द्वारा संस्कृत भाषा में किया गया ।

इसके ऊपर भाष्य लिखने का कार्य दार्शनिक अभिनव गुप्त ने किया।

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड के बारे में :-

इसकी शुरुआत 1992 में की गई ।

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड में तीन तरह के रजिस्टर शामिल किए जाते है- अंतरर्राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय रजिस्टर ।

अंतर्राष्ट्रीय रजिस्टर में सामिल भारतीय कृतियां या पांडुलिपियां :- ऋग्वेद, तमिल मेडिकल मैन्युस्क्रिप्ट कलेक्शन, शैव पांडुलिपियां आदि।

इस प्रोग्राम के तहत पुस्तकों को संग्रहित करने का उद्देश्य :-

विश्व भर के उपलब्ध ऐतिहासिक दस्तावेजी विरासत को सुरक्षित और संरक्षित रखना। जिससे इन तक सभी की पहुंच सुनिश्चित हो सके
इन दस्तावेजी विरासतों के बारे में लोगों तक जन जागरुकता बढ़ाना जिससे उन्हें इन पुस्तकों के महत्व के बारे में बताया जा सके ।

Result Mitra